

**स्त्र्याजीव** पुं. (तत्.) अपनी या अन्य स्त्रियों से वेश्या-वृत्ति कराकर रोजी कमाने वाला व्यक्ति।

**स्त्र्युपयोगी** वि. (तत्.) विशेष तौर पर स्त्रियों के लिए उपयोगी।

**स्थंडिल** पुं. (तत्.) 1. अनावृत्त भूमि 2. यज्ञ के लिए साफ और चौरस की हुई चौकोर भूमि 3. ढेलों का ढेर 4. बंजर भूमि 5. सीमा।

**स्थंडिल शय्या** स्त्री. (तत्.) बिना बिस्तर से भूमि पर सोने वाला।

**स्थंडिलशायी** वि./पुं. (तत्.) दे. स्थंडिल शय्या।

**स्थंडिलेशय** पुं. (तत्.) दे. स्थंडिल शय्या।

**स्थ** वि. (तत्.) 1. (समास में) ठहरा हुआ, स्थित 2. उपस्थित 3. संलग्न, रत 4. रहने वाला पुं. स्थल, स्थान।

**स्थकित** वि. (तत्.) थका हुआ, शिथिल, ढीला।

**स्थग** वि. (तत्.) 1. छली, धूर्त 2. निर्लज्ज 3. बेईमान 4. लापरवाह पुं. दुष्ट व्यक्ति।

**स्थगन** पुं. (तत्.) 1. दुराव 2. छिपाव 3. आगे के लिए टाल देना, भविष्य में करने के लिए रोक देना 4. चल रहे मुकदमे, हो रही जाँच/बैठक या संसद या समिति आदि की चल रही बैठक/कार्यवाही को निर्दिष्ट अवधि तक निलंबित करने/रोकने की क्रिया adjournment

**स्थगन आदेश** पुं. (तत्.) विधि. दिए गए निर्णय या जारी आदेश पर न्यायाधीश के द्वारा निर्दिष्ट अवधि के लिए कार्रवाई को रोकने से संबंधित आदेश।

**स्थगन प्रस्ताव** पुं. (राज.) संसद में स्थगन संबंधी प्रस्ताव, 'काम रोको' प्रस्ताव adjournment motion

**स्थगिका** स्त्री. (तत्.) 1. पानदान 2. पान बनाकर देने की नौकरी 2. अँगूठे आदि के सिरे पर बाँधने की एक तरह की पट्टी 3. वेश्या।

**स्थगित** वि. (तत्.) 1. किसी निर्दिष्ट अवधि के लिए रोका गया/मुलतवी किया हुआ 2. अवरोध, रोका हुआ।

**स्थपनी** स्त्री. (तत्.) भोंहों के बीच का स्थान जिसकी गिनती मर्मस्थानों में होती है।

**स्थपित** वि. (तत्.) 1. प्रधान, मुख्य 2. श्रेष्ठ, उत्तम पुं. 1. वास्तुशास्त्र का ज्ञाता, वास्तुविद 2. वास्तुशिल्पी।

**स्थपुट** वि. (तत्.) 1. विषम, उबड़-खाबड़ 2. संकटग्रस्त, विपन्न 3. कूबड़वाला 4. पीड़ा से नत पुं. 1. विषम स्थान 2. कूबड़ 3. आत्मा।

**स्थल** पुं. (तत्.) 1. दृढ़ और सूखी भूमि 2. धरती, भूमि, जमीन 3. (समुद्र/नदी का) किनारा, तट, कछार 4. स्थान, जगह 5. भूमि का कोई भूभाग, भूखंड, भूभाग 6. टीला 7. स्थान (किसी बात, घटना, रचना आदि का स्थान या उसकी भावी स्थान) 8. भाग (किसी ग्रंथ आदि का अध्याय) 9. दर्शनीय स्थल 10. मौका, अवसर 11. मरुस्थल 12. मैदान 13. तंबू, खेमा।

**स्थलकंद** पुं. (तत्.) जंगली सूरन, कटैला जमीकंद।

**स्थलकमल** पुं. (तत्.) 1. स्थल में होने वाला एक प्रकार का पौधा जिसमें कमल जैसे फूल लगते हैं 2. उक्त पौधे का फूल।

**स्थलकमलिनी** स्त्री. (तत्.) दे. स्थलकमल।

**स्थल-काली** स्त्री. (तत्.) दुर्गा की एक सहचरी।

**स्थलकुमुद** पुं. (तत्.) करवीर, कनेर।

**स्थलग** वि. (तत्.) दे. स्थूलचर।

**स्थलगामी** वि. (तत्.) दे. स्थूलचर।

**स्थलचर** वि. (तत्.) जमीन पर रहने या चलने फिरने वाला (प्राणी)।

**स्थलचारिणी** वि./स्त्री. (तत्.) स्थल पर रहने या चलने-फिरने वाली।

**स्थलचारी** वि. (तत्.) दे. स्थूलचर।

**स्थलज** वि. (तत्.) 1. स्थल में उत्पन्न होने वाला 2. स्थल या सूखी जमीन पर रहने वाला।

**स्थलजलडमरूमध्य** पुं. (तत्.) भू. जो दोनों ओर के बड़े स्थलों के बीच में हो और उन्हें मिलाता हो, दाईं ओर बाईं ओर से पानी से घिरा हुआ।